All India Bar Examination-V [2013]

SR. No.	Subjects	Questions No.	Total No. ofQ.	Marks	Weightage (%)
1	Constitution of India	11,19,20,21,23,24,25,35,90,94,9	11	11	11%
2	Indian Penal code, 1860	7 38,42,44,45,46,47	6	6	6%
3	Civil Procedure Code, 1908	5,6,8,13,14,62,77,79,81,82,83	11	11	11%
4	Criminal Procedure Code,1973	2,3,16,48,49,50,51,52,89,93	10	10	10%
5	Indian Evidence Act, 1872	1,36,37,39,40,41,91,92	8	8	8%
6	Arbitration & Conciliation Act	61,74	2	2	2%
7	Administration Law	95,96	2	2	2%
8	Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules	75,76,78	3	3	3%
9	Family Law	10,28,29,58,59	5	5	5%
10	Company Law	26,30,32,31,85	5	5	5%
11	Labour & Industrial Law	9,12,18,88,98,100	6	6	6%
12	Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law	34,80,84,86,87	5	5	5%
13	Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act,	15,17,22,43,53,54,55,56,57,60,6 3, 64,65,66,67,68,69,70,71,72,73 4,7	21	21	21%
14	Limitation Act, 1963		2	2	2%
15	Jurisprudence	27,33,99	3	3	3%
Total			100	100	**100%**

Constitution of India

11. Original Jurisdiction of the Supreme Court is dealt under- / सर्वोच्च न्यायालय की मूल अधिकारिता इसके अधीन है"

(1) Article / अनुच्छेद 226
(2) Article / अनुच्छेद 130
(3) Article / अनुच्छेद 131
(4) Article / अनुच्छेद 124

Ans. [3]

19. It was held by the Supreme Court of India that preamble was not a part of the constitution in the case of .... and this has been overruled in the case of......... / भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने यह माना गया कि .... के मामले में प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं थी और .... के मामले में इससे ख़ारिज कर दिया गया है

(1) In re : Berubari Union; Keshavananda Bharathi vs. State of Kerala / बेरुबरी यूननयन: केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(2) A. K. Gopalan vs. State of Madras; Maneka Gandhi vs. Union of India / ए.के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य मेनका गांधी बनाम भारत सरकार
(3) Ajay Hasia vs. Khalid Mujib; Som Prakash vs. Union of India / अजय हससया बनाम खासलद मुजीब: सोमप्रकाश बनाम भारत सरकार
(4) I.C. Golaknath vs. State of Punjab; Shankar Prasad vs. Union of India / आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य शंकर प्रसाद बनाम भारत संघ

Ans. [1]

20. The Supreme Court in Selvi & Ors. vs. State of Karnataka held that compulsory brain-mapping and polygraph tests and NARCO analysis were in violation of the following Articles of the Constitution. / सर्वोच्च न्यायालय ने सेल्वी एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य में अभिनिर्धारित किया कि अनिवार्य ब्रेन मैप तथा पॉलीग्राफ टेस्ट्स और नार्को विश्लेषण संविधान के निम्न अनुच्छेदों का उल्लंघन किया था।

(1) Articles 23 and 24 / अनुच्छेद 23 एवं24
(2) Articles 15 and 16 / अनुच्छेद 15 एवं16
(3) Articles 29 and 30 / अनुच्छेद 29 एवं30
(4) Articles 20 and 21 / अनुच्छेद 20 एवं21

Ans. [4]

21. Laws declared by the Supreme Court shall be binding on all Courts - mentioned under / सर्वोच्च न्यायालय की और से घोषित कानून सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होगा इसके अधीन उल्लिखित है-

(1) Article 142 / अनुच्छेद 142
(2) Article 143 / अनुच्छेद 143
(3) Article 136 / अनुच्छेद 136
(4) Article 141 / अनुच्छेद 141

Ans. [4]

23. Justice Ramanandan Committee relates to- / न्यायमूर्ति रामानंदन समिति का संबंध है-

(1) Union State relations / संघ राज्य संबंध
(2) Creamy layer / नवोन्नत वर्ग
(3) Finance Commission / वित्त आयोग
(4) Elections / चुनाव

Ans. [2]

24. Equal pay for Equal work - can be enforced through / समान कार्य के लिए समान भुगतान के माध्यम से लागू किया जा सकता है

(1) Article 39 / अनुच्छेद 39
(2) Articles 14 and 16 / अनुच्छेद 14 एवं16
(3) Article 311 / अनुच्छेद 311
(4) Article 309 / अनुच्छेद 309

Ans. [2]

25. The executive power of every State shall be so exercised as to ensure compliance with the laws made by Parliament and any existing laws mentioned under / प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति ऐसे उपयोग की होगी जैसे कि संसद की ओर से बनाए गए कानून तथा किसी वर्तमान कानून की पालना सुनिश्चित हो - इसके अधीन उल्लिखित " -

(1) Article / अनुच्छेद 352
(2) Article / अनुच्छेद 256
(3) Article / अनुच्छेद 254
(4) Article / अनुच्छेद 301

Ans. [2]

35. A seven-member bench of the Supreme Court unanimously struck down Clause 2(d) of Article 323-A and Clause 3 (d) of Article 323-B of the Constitution relating to tribunals which excluded the jurisdiction of High Court and Supreme Court. The court held that power of judicial review over legislative action is vested in the High Court under Article 226 and in the Supreme Court under Article 32. This is an integral part of the basic structure of the Constitution. Name the case / सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने सर्वसम्मत से न्यायाधिकरणों से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 323- ए के खंड 2(डी) और अनुच्छेद 323-बी के खंड 3(डी) को रद्द कर दिया, जिसमें उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को बाहर रखा गया था |न्यायालय ने माना कि विधायी कार्रवाई पर न्यायिक समीक्षा की शक्ति अनुच्छेद ३२ के तहत उच्चतम न्यायालय में निहित है यह संविधान की मूल संरचना का एक अभिन्न अंग है मामले का नाम बताए।

(1) L. Chandra Kumar vs. Union of India / एल. चंद्र कुमार बनाम भारत संघ
(2) Kihota Hollohon vs. Zachilhu / किहोता होलोहोन बनाम जचिलहू

(3) Nagaraj vs. State of A. P. / नागराज बनाम आंध्रप्रदेश राज्य
(4) Rajendra Singh Rana vs. Swami Prasad Maurya / राजेन्द्र ससहिं राणा का बनाम स्वामी प्रसाद मौय ग

Ans. [1]

90. If a Quasi-judicial authority violates the principles of natural justice, the appropriate writ would be / यदि अर्द्ा न्याधयक प्राधिकिी नेचिुल न्याय के लसर्द्ांतों का उल्लंघन किता है, समुधचत रिट होगी

(1) Mandamus / परमादेश
(2) Habeas Corpus / बंदी प्रत्यक्षीकरण
(3) Quo warranto / अधधकार-पृच्छा
(4) Certiorari / उत्प्रेषण

Ans. [4]

94. By the Constitution (97th Amendment) Act, 2011 the following word has been, inserted under Article 19(1)(c) / संहरिन (97वां के संशोिन) अधिहनयम, 2011 माध्यम से अनुच्छेद 19 (1) (ग) में हनम्नक्तलखखत शब्द अंतर्ृष्टिं हकया गया

(1) Democratic Societies / लोकतांनिक सधमनतयां
(2) Registered Societies / पंजीकृत सधमनतयां
(3) Co-operative Societies. / सहकारी सधमनतयां
(4) Co-operative Management / सहकारी प्रबंधन

Ans. [3]

97. "Passive Euthanasia is permitted in certain cases- " held in / 'इच्छा मृत्यु ुहकस मामले में अनुज्ेय हकया है' -

(1) Aruna Ramachandran Shanbaug vs Union of India / अरुणा रामचन्द्रन शान बाग बनाम भारत संघ
(2) Gian Kaur vs State of Punjab / ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य
(3) P. Rathinam vs Union of India / पी. रनतनम बनाम भारत संघ
(4) State of Maharashtra vs. Chandraben / महाराष्ट्र राज्य बनाम चन्द्रा बेने

Ans. [1]

Indian Penal code, 1860

38. The gist of this offence is meeting of minds / इस अपिाि का तात्पया रू यमस्स्तष्क धमलन है।

(1) Section / धारा 120 - A
(2) Section / धारा 133
(3) Section / धारा 221
(4) Section / धारा 340

Ans. [1]

42. Promoting enmity between different groups on grounds of religion, race, place of birth, residence, language, etc. and doing acts prejudicial to maintenance of harmony is an offence under which provision of Indian Penal Code / मिा, नस्ल, जन्म स्थल, कनर्वास, भाषा आदि के आिाि पि अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी को बढावा िेना औि समिसता को बनाए िखने के प्रकत पूर्वाग्रह पूर्वकाकृत्य किना भाितीय िंड संकहता के ककस प्रावििान के अिीन अपिाि है?

(1) Section / धारा 120-A
(2) Section / धारा 120-B
(3) Section / धारा 153 - A
(4) Section / धारा 226

Ans. [1]

44. A obtains property from Z by saying "Your child is in the hands of my gang and will be put to death unless you send us Rs. 10,000/-. This offence is - / क ने य से संपत्ति यह कहते ु हुए हालसल की 'तुम्हािा बच्चा मेिेकगिोह के हाथों म ेंहैजजसे ेमाि दिया जाएगा यदि तुमनेरुपए 10,000/- नहीं भेजे। यह अपिाि है" -

(1) Robbery / लूट
(2) Extortion / उददापन
(3) Dacoity / डकैती
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई नहीं

Ans. [1]

45. A places men with firearms at the outlets of a building and tells B that they will fire at B if B attempts to leave the building. What is the offence committed by A as against B. / क नेइमाित के कनगमा मागा पि आग्नेयाशस्त्रों से आिधमयों को लाकि ि से कहा कक यदि ि नेइमाित छोड़नेकी कोलशश की तो र्वेि को गोली माि िेंगे। ि के खिलाफ क के द्वािा कौन सा अपिाि कारित है?

(1) Wrongful restraint / सदोष अवरोध
(2) Wrongful confinement / सदोष परररोध
(3) Refusal to leave the place / जगह छोड़नेसे मना करना
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई नहीं

Ans. [2]

46. Adulteration of food or drink intended for sale is punishable under / कबक्री के लिए से िाद्य या पेये म ेंधमलार्वट किना इसके अिीन िंडनीय है46

(1) Section 227 / धारा 227
(2) Section 272 / धारा 272
(3) Section 277 / धारा 277
(4) Section 273 / धारा 273

Ans. [2]

47. Voluntarily causing grievous hurt to deter public servant from his duty is / लोक सेर्वक को उसके काय ासे िोकनेके ललए इच्छा से घोि उ हहत पहुंचाना है"

(1) Cognizable & non-bailabie offence / संज्ञेय और गैर जमानती अपराध
(2) Non cognizable & bailable offence / असंज्ञेय और जमानती अपराध

(3) Cognizable and bailable offence / संज्ञेय और जमानती अपराध
(4) None of the above / उपरोक्त मेंसे कोई नहीं ।

Ans. [1]

Civil Procedure Code, 1908

5. The provision under CPC that relates to suit by indigent persons- / ऩसहर्ल प्रकक्रया संकहता के अिीन जो प्राविान हनिनय व्यलियों की ओि से ककए वािों से संबंधित है-

(1) Order / आदेश 32
(3) Order / आदेश 35
(2) Order / आदेश 34
(4) Order / आदेश 33

Ans. [4]

6. Where a party to a suit requires information as to facts from the opposite party, he may administer to his adversary a series of questions. It is called as- / जहां ाद के पक्षकाि से कर्पक्षी पक्षकाि से तथ्यों के संबंि में जानकािी अपेक्षित है, र्ह प्रकतपक्षी प्रश्नार्ली िे सकेगा, जजसे कहा जाता-

(1) Question Petition / प्रश्न याधचका
(2) Question pamphlet / प्रश्न पुस्तका
(3) Interrogatories / प्रश्नावली
(4) Discovery / प्रकटीकरण

Ans. [3]

8. Who decides as to which of the several modes he/she will execute the decree / अनेक कर्धियों के बीच कौन कनर्भित किता है कक र्ह धडक्री का कनष्पािन किेगा / किेगी।

(1) Plaintiff / वादी
(2) Court / न्यायालय
(3) Judgement debtor / ननर्णण देनदार
(4) Decree holder / डिक्री धारक

Ans. [4]

13. A person appointed by the Court to protect, preserve and manage the property during the pendency of the litigation / न्यायालय की ओि से मुकिमे के लंकबत िहनेके िौिान संपलि के संिक्षण, अनुिक्षण औि प्रबंि के ललए कनयुि व्यलि है।

(1) Amicus curiae / न्याय धमि
(3) Protector / परररक्षक
(2) Preserver / रक्षक
(4) Receiver / प्राप्ततकताग

Ans. [4]

14. .... is a suit filed by or against one or more persons on behalf of themselves and others having the same interest in the suit. / .... वाि हैजजसे एक या अधिक लोगों की ओि से या उनके कर्रुद्ध उनके स्वयंकी तिफ से िाखिल ककया गया है औि अन्यों के र्ही कहत वाि में होते है।

(1) Joint suit / संयुक्त वाद
(2) Representative suit / प्रनतननधधत्व वाद
(3) Collusive suit / संधधकारी वाद
(4) Collective suit. / सामूनहक वाद

Ans. [2]

62. Which section under the Civil Procedure Code, 1908 deals with the settlement of disputes outside the Court ? / ऩसहर्ल प्रकक्रया संकहता, 1908 के अिीन कौनसी िािा कर्वािों का कनपटािा न्यायालय से बाहि ककए जाने से संबंधित है?

(1) Section / धारा 98
(3) Section / धारा 89
(2) Section / धारा 99
(4) Section / धारा 88

Ans. [3]

77. Where there are mutual debts between the plaintiff and the defendant, one debt may be settled against another. This can be a statutory defence to a plaintiffs action and it is called as / वािी औि प्रकतवािी के बीच जहां आपसी कज है, एक का कज िूसिे के कर्रुद्ध कनपटाया जा सकेगा। यह वािी की कािवाई का रै्िाकनक बचार् हो सकता है। यह इस नाम से कहलाता

(1) Cross-claim / प्रनत-दावा
(2) Set-off / सेट ऑफ
(3) Cross-demand / प्रनत मांग
(4) Cross-decrees / प्रनत डिक्री

Ans. [2]

79. Existence of two suits, by parties litigating under same title, one previously instituted which is pending at present and the other filed later, wherein a matter in issue in the subsequently filed suit is directly and substantially in issue in the other and the relief claimed in the subsequent suit can effectively be passed by the court of previous instance. Which section of CPC decides the fate of the subsequently filed suit and its proceeding? / एक ही स्वत्र्व के अिीन मुकिमा किने वाले िो पक्षों की ओि से िो वािों की कर्द्यमानता, एक जो कपछली बाि िाखिल र्ह र्तमान म भी लंकबत औि िूसिा बाि म िाखिल ककया गया, जजसम मुद्दागत मामला पिर्ती िाखिल वाि म से सीिी औि िूसिे म मुद्दागत सिात:, पिर्ती वाि म िारे्की िाहत को कपछले दृष्ांत के न्यायालय की ओि से प्रभार्पूणा पारित ककया जा सकता है। ऩसहर्ल प्रकक्रया संकहता की कौन सी िािा पिर्ती िाखिल वाि तथा उसकी कायर्ाही के भाग्य को कनर्भित किती है?

(1) Section / धारा 11
(2) Section / धारा 9
(3) Section / धारा 10
(4) Section / धारा 12

Ans. [3]

81. An attachment before judgement order takes away. / कनणया रू यकुकी का आदेश ददया जा सकता है

(1) Right to ownership / स्वाधमत्व का अधधकार
(2) Right to file suit / वाद दाखल करनेका अधधकार
(3) Power to alienate the property / संपसत्त हस्तांतरण की शसक्त
(4) Capacity of execution of a decree. / डिक्री ननष्पादन की क्षमता

Ans. [3]

82. The three pillars on which foundation of every order of injunction rests / तीन स्तं जिजसकी बुहनयाद ि हनषेिाज्ञा का प्रत्येक आदेश दटका होता है।

(1) Prima facie case, injury with damage and balance of inconvenience / प्रथम दृष्टया मामला, क्षनत सनहत चोट और असुनवधा का संतुलन
(2) Prima facie case, reparable injury and balance of convenience / प्रथम दृष्टया मामला, पूरणीय क्षनत और सुनवधा का संतुलन
(3) Prima facie case, irreparable injury and balance of convenience / प्रथम दृष्टया मामला, अपूरणीय क्षनत और सुनवधा का संतुलन
(4) Prima facie case, damage without injury and balance of convenience / प्रथम दृष्टया मामला, अपूर्रयि क्षनत और सुनवधा का संतुलन

Ans. [3]

83. .... is to enable subordinate Courts to obtain in non- appealable cases the opinion of the High Court in the absence of a question of law and thereby avoid the commission of an error which could not be remedied later on. / अिीनस्थ न्यायालयों को गि-अपीलीय मामलों म ें उच्च न्यायालय की ि य कर्विि के प्रश्न के अभार्व म ें उपार्जित किने ें अिौ उसके जरिए कृत रुदट को टालनेम समर्थ होता है। जिसका कनिान बिा म ें नहीं हो सकता था।

(1) Review / समीक्षा
(3) Appeal / अपील
(2) Reference / सन्दर् ण
(4) Revision / पुनरीक्षर्

Ans. [2]

Criminal Procedure Code,1973

2. What persons may be charged jointly and tried together under Section 223 of CrPC. / अिंडक प्रकक्रया संकहता की ि ा 223 के अिीन कौन से व्यलि संयुि से अिोकपत तथा साथ म ें कर्वचारित हो सकते ह। ें

(1) persons accused of the same offence committed in the course of the same transaction / एक ही संव्यवहार के अनुक्रम म ें काररत एक ही अपराध के अभभयुक्त व्यसक्त
(2) persons accused of an offence and persons accused of abetment of or attempt to commit such offence / अपराध के अभभयुकत व्यसक्त तथा उस अपराध को करनेको उकसानेया प्रयास करनेवालेअभभयुक्त व्यसक्त
(3) persons accused of different offences committed in the course of the same transaction / नवभभन्न अपराधों के अभभयुक्त व्यसक्त जो एक ही संव्यवहार म ें काररत हुए।
(4) all the above / उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

3. Compensation to Victims of Crime under Criminal Law relates to / अिंडक कानून के अिीन पीधड़त को मुआर्वजा संबंधित है-

(1) Section 336 / धारा 336
(2) Section 331 / धारा 331
(3) Section 335 / धारा 335
(4) Section 357 / धारा 357

Ans. [4]

16. Obstructing Public Servant in discharge of his public functions is a / लोक सेर्वक को उसके लोक कायाके कनर्वाहा म ें बािा डालना है।

(1) non-bailable offence / गैर जमानती अपराध
(2) bailable offence / जमानती अपराध
(3) civil wrong / ससववल गलत
(4) none of the above / इनम ें से कोई नहीं

Ans. [2]

48. Which provision under the Code provides the indication as to the rule against double jeopardy? / संकहता के अिीन कौन सा प्रार्विान ि ोहि जोखिम के कर्वरुद् संकेत को कनयम की तिह प्रिान किता है।

(1) Section 300 / धारा 300
(3) Section 309 / धारा 309
(2) Section 305 / धारा 305
(4) Section 311 / धारा 311

Ans. [1]

49. Which provision under Criminal Procedure Code, 1973 deals with the procedure to be adopted by the Magistrate, to record confessions and statements? / अिंडक प्रकक्रया संकहता के अिीन कौन सा प्रार्विान कबूललयत तथा कथन ि ज ा किने े को मजजस्रेट की अिौ से अपनाई जानेवाली प्रकक्रया से संबंधित है?

(1) Section / धारा 164
(2) Section / धारा 162
(3) Section / धारा 163
(4) Section / धारा 164-A

Ans. [1]

50. Any police officer may without an order from a Magistrate and without a warrant, arrest any person who obstructs a police officer while in the

execution of his duty, or who has escaped, or attempts to escape, from lawful custody under which section / कोई पुललस अधिकिी मजजस्रेट से जौश के कबना जौ र्वािंट के कबना उस ककसी व्यलि को कगिफ्ता कि सकेर्ा जो मलुलस अधिकिी के उसके किव्या डालता हैया जो भाग गया है, या भागनेकी कोलशश कर्वधि सम्मत कहिासत से की है, ककस िािा के जौन -

(1) Section / धारा 41(a)
(2) Section / धारा 41(c)
(3) Section / धारा 41 (e)
(4) Section / धारा 41(d)

Ans. [3]

51. The Plea Bargaining is applicable only in respect of those offences for which punishment of imprisonment is up to a period of / सौदा अभिर्वाक् किना केर्वल उन अपिाधों के संबंध मे ंप्रयुनीय हैजजनके ललए सजा के रुप मे ंकािार्वास इतने ेतक का है-

(1) 7 years / वषग
(3) 10 years / वषग
(2) 2 years / वषग
(4) 5 years / वषग

Ans. [4]

52. "If an accused is charged of a major offence but is not found guilty thereunder, he can be convicted of minor offence, if the facts established indicate that such minor offence has been committed." It was so upheld in which case / यदि अभभयिु पि बड़े अपिाध का जौोप है मगि र्वह उसके अंतगता िोषी नहीं पाया जाता है, उसेगौण अपिाध का िोष लसद्ध ककया जा सकता है. यदि स्थाकपत तथ्य संकेत उस गौण अपिाध कारित का कितेहै। इसकी अभभपुकष् इस मामलेमेंकी गई –

(1) Sangarabonia Sreen vs. State of Andhra Pradesh / संगरा बोननया श्रीनुबनाम आंध्रप्रदेश राज्य
(2) State of Himachal Pradesh vs. Tara Dutta / नहमाचल प्रदेश राज्य बनाम तारा दत्त
(3) Shamsher Singh vs. State of Punjab / शमशेरससहिं बनाम पंजाब राज्य
(4) Nalini vs. State of Tamilnadu. / नसलनी बनाम तधमलनाडु राज्य

Ans. [2]

89. Order granting anticipatory bail becomes operative / अकग्रम जमानत मंजूिी का जौश सकक्रय होता है

(1) on arrest / नगरफ्तारी पर
(2) prior to arrest / नगरफ्तारी से पूव ग
(3) on passing of the order by the Court / न्यायालय की ओर से आदेश को पाररत करने पर
(4) none of the above / उपरोक्त मे ंसे कोई नहीं

Ans. [1]

93. "Provisions of Section 195 of the Code are mandatory and non. compliance of it would initiate consequent prosecution." In which all case the Court upheld so /" संहहता की धािा 195 के प्राविान अहनर्वाय यहै जौि उनकी गै- अनुपालना से अभियोजन तथा सिी अन्य रिणामी आदेश हनष्प्रिार्वी होंगे।" हकस मामले मे ंन्यायालय ने ऐसा अभि पुष्ट हकया -

(1) C. Muniappan vs. State of Tamilnadu / सी. मुननयतपन बनाम तधमलनाडू राज्य
(2) Kishun Singh vs. State of Bihar / नकशुन ससहिं बनाम नबहार राज्य
(3) State of Karnataka vs. Pastor P. Raju. / कनाटगक राज्य बनाम पेस्टर पी. राजू
(4) None of the above. / उपरोक्त मे ंसे कोई नहीं।

Ans. [1]

Indian Evidence Act, 1872

1. Which are the provisions under Indian Evidence Act, 1872 that deals with relevancy of opinion of experts? / कर्वशेषज्ञों की िाय की प्रासंकगकता से सम्बंधित कौन से प्रार्विान भितीय साक्ष्य अधिकनयम, 1872 के तहत है?'

(1) Secs. 49 & 50 / धाराएं49 ओर 50
(2) Secs. 23 & 24 / धाराएं23 ओर 24
(3) Secs. 45 & 46 / धाराएं45 ओर 46
(4) Secs. 81 & 82 / धाराएं81 ओर 82

Ans. [3]

36. The contents of documents may be proved either by / दस्तारेजों की हर्वय र्स्तु को प्रमाभणत हकया जा सकेगा या तो "-

(1) Primary evidence or by secondary evidence / प्राथधमक साक्ष्य या माध्यधमक साक्ष्य के जररए
(2) Direct evidence or circumstantial evidence / प्रत्यक्ष साक्ष्य या पररस्स्थनत जन्य साक्ष्य के जररए
(3) Primary evidence or documentary evidence / प्राथधमक साक्ष्य या दस्तावेजी साक्ष्य के जररए
(4) Primary evidence or direct evidence/ प्राथधमक साक्ष्य या प्रत्यक्ष साक्ष्य के जररए

Ans. [1]

37. Oral accounts of the contents of a document given by some person who has himself if seen it is / िस्तार्वेज की कर्वषय र्वस्तु का मौखिक र्वणाना ककसी व्यलि की जौि से दिया गया जैसा कक िु उसने िेिा, र्वह है

(1) Direct evidence / प्रत्यक्ष साक्ष्य
(2) Best evidence / अच्छा साक्ष्य
(3) Circumstantial evidence / पररस्स्थनत जन्य साक्ष्य
(4) Secondary evidence / माध्यधमक साक्ष्य

Ans. [4]

39. "The DNA test cannot rebut the conclusive presumption envisaged under Section. 112 of the

Indian Evidence Act. The parties can avoid the rigor rigor of such conclusive presumption only by proving non- access which is a negative proof." It was so held in which case / "भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 के अधीन उपबंधित निश्चायक उपधारणा का डी.एन.ए. परीक्षण खण्डन नहीं कर सकता। पक्षकार उस निश्चायक उपधारणा की कठोरता को टाल सकते हैं केवल अ-पहुंच को प्रमाणित करके, जो नकारात्मक प्रमाण है।" यह इस प्रकरण में अभिनिर्धारित किया गया"-

(1) Shaik Fakruddin vs. Shaik Mohammed Hasan, AIR 2006 AP 48 / शेख फकरुद्दीन बनाम शेख मोहम्मद हसन, ए.आई. आर. 2006 आंध्रप्रदेश 48
(2) Siddaramesh vs. State of Karnataka (2010) 3 SCC 152 / सिद्द रमेश बनाम कर्नाटक राज्य, (2010) 3. एस. सी. सी. 152
(3) Kailash vs. State of Madhya Pradesh AIR 2007 SC 107 / कैलाश बनाम मध्यप्रदेश राज्य, ए.आई.आर. 2007 एस.सी. 107
(4) Somwanti vs. State of Punjab. AIR 1963 SC 151 / सोमवंती बनाम पंजाब राज्य, ए.आई.आर. 1963 एस.सी. 151

Ans. [1]

40. The statements of dead persons are relevant under which provision / मृत व्यक्तियों के कथन इस प्रावधान के अंतर्गत सुसंगत है-

(1) Section / धारा 48
(2) Section / धारा 49
(3) Section / धारा 32(4)
(4) Section / धारा 13 (3)

Ans. [3]

41. "Witnesses are the eyes and ears of Justice." Whose statement is this / साक्षी न्याय की आंखें एवं कान है। यह कथन किसका है?

(1) Lord Atkin / लॉर्ड एटकिन
(2) Bentham / बेंथम
(3) Lord Denning / लॉर्ड डेनिंग
(4) Phipson / फिप्सन

Ans. [2]

91. An accomplice is unworthy of credit unless he is corroborated in material particulars is a / एक सह साथी श्रेय के योग्य नही है जब तक कि वह 'तात्विक' विशेष से संपुष्ट नहीं है, यह है"-

(1) presumption of fact / तथ्य की उपधारणा
(2) presumption of law / विधि की उपधारणा
(3) conclusive of proof / प्रमाण का निश्चयात्मकता
(4) none of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

92. Patent ambiguity in interpreting documents renders it. / व्याख्या करने दस्तावेज़ों में प्रकट अस्पष्टता उसे बनाती है -

(1) Curable / आरोग्य साध्य
(2) In-curable / आरोग्य असाध्य
(3) Curable and incurable / आरोग्य साध्य एवं आरोग्य असाध्य
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

Arbitration & Conciliation Act

61. The commencement of arbitral proceedings is not dependant on interim relief being allowed or denied under Section 9 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996. Supreme Court in which case held so / मध्यस्थता कार्यवाही का प्रारंभ होना माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 9 के अधीन अनुज्ञा या मनाही के रूप में अंतरिम राहत पर निर्भर नहीं। किस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया।"

(1) Firm Ashok Traders & another vs. Gurumukh Das Saluja & others / फर्म अशोक ट्रेडर्स एवं अन्य बनाम गुरुमुख दास सलूजा एवं अन्य
(2) M.M.T.C Ltd vs. Sterile Industries (India) Ltd. / एम.एम.टी.सी. लिमिटेड बनाम स्टेरल इंडस्ट्रीज (भारत) लिमिटेड
(3) National Thermal Power Corporation. vs. Flowmore (P.) Ltd. / नेशनल थर्मल पॉवर कारपोरेशन बनाम फ्लोमोर (प्राइवेट) लिमिटेड
(4) Magma Leasing Ltd. vs. NEPC Micon Ltd. / मैग्मा लीजिंग लि. बनाम एम ई पी सी माइक्रोन लि.

Ans. [1]

74. .... is the process whereby interested partics resolve disputes, agree upon courses of action, bargain for individual or collective advantage, and/or attempt to craft outcomes which serve their mutual interests. / .... प्रक्रिया है जिसके जरिए इच्छुक पक्षकार विवाद का हल निकाला करते है, कार्यवाही के अनुक्रम पर सहमत होते है, वैयक्तिक या सामूहिक फायदों की सौदेबाजी करते है, तथा / अन्यथा उन नतीजों का प्रयास करते है जिससे उनके आपसी हित सधे ।

(1) Expert determination / विशेषज्ञ निर्धारण
(2) Arbitration/ माध्यस्थम्
(3) Conciliation/ समाधान
(4) Negotiation / समझौता

Ans. [4]/

Administration Law

95. Doctrine of Legitimate Expectation was discussed in the following case / विधि अपेक्षा का सिद्धांत का विचार-विमर्श निम्न प्रकरण में किया गया था -

(1) Ramkrishna Tendolkar VS. Justice Dalmia/ रामकृष्ण डालमिया बनाम न्यायमूर्ति तेंदोलकर

(2) M. C. Mehta vs. Union of India / एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ
(3) State of U.P. vs. Deoman / उत्तर प्रदेश राज्य बनाम दीमन
(4) Food Corporation of India vs. M/s. Kamdhenu Cattle Feed Industries / भारतीय खाद्य ननगम बनाम मैससग कामधेनुकेटल फीड इन्डस्ट्रीज

Ans. [4]

96. Natural law is the idea that / प्राकृहतक कानून का प्रत्यय हैकक"_

(1) there are rational objective limits to the power of legislative rulers. / नवधायी शासक की शसक्त की युसक्त संगत यथाथ गसीमा है
(2) there are no limits to the power of legislative rulers. / नवधायी शासक की शसक्त की कोई सीमा नहीं है ै
(3) there are limits to the power of the executive laid by the legislature / नवधान की ओर से ररत अधधशाषी की शसक्त की सीमा है
(4) Law is the command of the sovereign / कानून संप्रभुका समादेश है।

Ans. [1]

Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules

75. "The fundamental aim of Legal Ethics is to maintain the honour and dignity of the Law Profession; to secure a spirit of friendly cooperation between the Bench and the Bar in the promotion of highest standards of justice, to establish honourable and fair dealings of the counsel with his client opponent and witnesses; to establish a spirit of brotherhood in the Bar itself; and to secure that lawyers discharge their responsibilities to the community generally." Whose statement is this? / 'कर्वधिक नीकत पिक का बुकनयािी ध्येये कर्वधि वृृवलि के मान औ मयािा को बनाए िा औ न्यायपीठ तथा कर्वधिज्ञ र्वगाके मध्य मैकरपूणासहयोग की भार्वना सुकनभित किना न्याय के उच्चतम मानकों के प्रोत्साहन म ें माननीय तथा कनष्पक्ष व्यर्वहाि अधिर्वि के अपने मुर्वल्ककल प्रकतपक्षी औ गर्वाहों के साथ स्थाकपत किना; कर्वधिज्ञ र्वगास्वयंम ें मातृत्व की भार्वना कायम किना, औ कर्वधिर्वेताओं सामान्यतया समुिाय के प्रकत अपने िाकयत्र्वों के कनर्वाहा को सुकनभित किना है।' यह कथन ककसका है?

(1) Chief Justice Marshall / मुख्य न्यायाधीश माशलग
(2) Chief Justice Coke/ मुख्य न्यायाधीश कोक
(3) Chief Justice Halsbury/ मुख्य न्यायाधीश हाल्सबरी
(4) Chief Justice Bacon/ मुख्य न्यायाधीश बेकोन

Ans. [1]

76. Duty of on advocate towards his client is detailed out in which rules of Bar Council of India / भाित के बािकाउंत्तसल केककनकनयमोंमेंअपनेमुर्वल्ककल के प्रकत अधिर्वि केकिव्या का कर्वस्तृतृउल्लैहै।

(1) 33 to
(2) 38 11
(3) to 33
(4) 23 to

Ans. [2] 33
to 36

78. Which Section under the Advocates Act, 1961 deals with disqualification as to enrolment? / अधिर्वि अधिकनयम, 1961 की ककस िािा के औन नामांकन से अयोग्यता से संबंधित है?

(1) Section / धारा 25-A
(2) Section / धारा 26-A
(3) Section / धारा 27-A
(4) Section / धारा 24-A

Ans. [4]

Family Law

10. Section 9 of the Hindu Marriage Act, 1955 deals with / िािा 9 कहन्दू कर्ववाह अधिकनयम, 1955 से सम्बंधित है

(1) Restitution of Conjugal Rights / दांपत्य अधधकारों की पुनर्नर्िार्ण
(2) Void Marriages / शून्य नववाह
(3) Judicial Separation / न्यानयक पृथकीकरण
(4) Grounds of Divorce / तलाक के आधार

Ans. [1]

28. Mubara'at under Muslim law refers to / मुल्स्लम कानून के औन मुबित संभाकिता है ै

(1) Divorce at the instance of Wife / वतमगान पत्नी को तलाक का
(2) Cruelty / क्रूरता
(3) lla / इला
(4) Dissolution of marriage with mutual consent / आपसी सहमनत से नववाह नवच्छेद

Ans. [4]

29. The discriminatory aspects of Section 10 of Indian Divorce Act (now Divorce Act) was removed by substituting new section by the / भाितीय तलाक अधिकनयम (अब तलाक अधिकनयम) की िािा 10 के कर्वभेिकी पहलुओं को नई िािा की प्रकतस्थापना से हटाया गया था।"

(1) Indian Divorce (Amendment) Act, 2001 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधधननयम, 2001
(2) Indian Divorce (Amendment) Act, 2002 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधधननयम, 2002
(3) Indian Divorce (Amendment) Act, 2006 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधधननयम, 2006
(4) Indian Divorce (Amendment) Act, 2012 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधधननयम, 2012

Ans. [1]

58. Which provision of Hindu Marriage Act, 1955 deals with conciliation / कहन्दू कर्ववाह अधिकनयम, 1955 का कौन सा प्राविान मेल धमलाप से संबधित है।
(1) Section / धारा 23
(2) Section / धारा 23 (2)
(3) Section / धारा 23(3)
(4) Section / धारा 22
Ans. [2]

59. Daughter is equated with the son references to joint family with property under / संयुि पारिवारिक संपकत के अंतगता संभि ाके साथ पुरी पुर के समान है।
(1) Hindu Succession (Amendment) Act 2002 / कहन्दू उत्तराधधकार (संशोधन) अधधननयम 2002
(2) Hindu Succession (Amendment) Act 1976 / कहन्दू उत्तराधधकार (संशोधन) अधधननयम 1976
(3) Hindu Succession (Amendment) Act 1978 / कहन्दू उत्तराधधकार (संशोधन) अधधननयम 1998
(4) Hindu Succession (Amendment) Act 2005 / कहन्दू उत्तराधधकार (संशोधन) अधधननयम 2005
Ans. [4]

Company Law

26. Under Section 171 of the Companies Act, a general meeting of a company may be called by giving a notice in writing for not less than / कं नी अधिकनयम की िािा 171 के अिीन कम से कम इस ददर्स की क्तलखत सूचना देते हुए कं नी की सिसािण सिा बुलाई जा सकेगी"
(1) 21 days / ददन
(3) 40 days / ददन
(2) 30 days / ददन
(4) 14 days / ददन
Ans. [1]

30. Amalgamation of Companies in National Interest is dealt under / िाष्ट्रीय हहत म ेकं हनयों के समामेलन के बािे म ेबताया गया है -
(1) Section 388 of the Companies Act / कंपनी अधधननयम की धारा 388
(2) Section 378 of the Companies Act / कंपनी अधधननयम की धारा 378
(3) Section 396 of the Companies Act / कंपनी अधधननयम की धारा 396
(4) Section 390 of the Companies Act / कंपनी अधधननयम की धारा 390
Ans. [3]

31. Under Consumer Protection Act, the jurisdiction of the District Forum should not exceed rupees / उपभोिा संिक्षण अधिकनयम के अिीन, जजला न्यायालय की अधिकारिता इतने ेरुपयों से अधिक नहीं होनी चाकहए?
(1) Fifty Thousands / पचास हजार
(2) One Lakh / एक लाख
(3) Twenty Five Thousands / पच्चीस हजार
(4) Twenty lakhs / बीस लाख
Ans. [4]

32. A private limited company limits the number of members to / कनजी सीधमत कंपनी के सिस्यों की संख्या सीमा है?
(1) 30
(3) 40
(2) 50
(4) 150
Ans. [2]

85. Trading activities of a company were stopped temporarily in view of the trade depression with an intention to continue the same when the conditions improve. A petition was preferred into the Tribunal for winding up of the company. The petition / कंपनी की व्यापाि गकतकर्वधियों को व्यापाि मंिी के दृकष्टगत अस्थायी रुप से इस िाि के साथ िोका गया कक हालात म ेजब सुिाि हो जाए तब उसे ेपुनः शुरु ककया जाए। अधिकिण म ेयाधचका कंपनी को बंि किने ेके ललए प्रस्तुत की गई। याधचका -
(1) Is liable to be dismissed / खारिज ककए जानेलायक है े
(2) will succeed / कामयाब रहेगी
(3) will be kept pending till the conditions improve / हालात सुधरनेतक नवचाराधीन रखी जाएगी
(4) will not be admitted. / स्वीकार नहीं की जाएगी
Ans. [1]

Labour & Industrial Law

9. A teacher is not a workman falling under the category of Workman under Industrial Disputes Act, 1947: This was upheld in which case / औद्योकगक कर्वर्ाि अधिकनयम, 1947 के अिीन मजदिू की श्रेणी के अंतगता लशक्षक मजदिू म ेनहीं आता । यह इस मामलेम ेअभभभारित ककया गया था
(1) Miss A. Sundarambal vs. Government of Goa, Daman and Diu & others / कुमारी ए. सुंदरम वल बनाम गोवा, दमण, दीव सरकार एवं ेअन्य
(2) Ahmedabad Pvt. Primary Teachers' Association vs. Administrative Officer And Ors. / अहमदाबाद प्राइवेट प्राइमरी टीचस गएसोससएशन बनाम प्रशासननक अधधकारी एवंअन्य
(3) University of Delhi vs. Ramnath / ददल्ली नवश्व नवद्यालय बनाम रामनाथ
(4) Secretary, Madras Gym, khana Club Employees Union vs. Management of the Gymkhana. / सधचव, मद्रास जजमखाना कमचगारी संघ बनाम जजमखाना प्रबंधन
Ans. [3]

12. **The principal regulator envisaged under the Trade Unions Act, 1926- / व्या ि ा संघं अधिहनयम, 1926 के अिीन माक्तलक हर्नयामक रिकस्ल् त है -**
(1) Regulator of trade unions / व्यापार संघ का नवननयामक
(2) Inspector of trade unions / व्यापार संघ का ननरीक्षक
(3) Registrar of trade unions / व्यापार संघ का पंजीयक
(4) Industrial relations committee / औद्योनगक संबंध सधमनत
Ans. [3]

18. **The type of disablement envisaged under the Employees Compensation Act that reduces the capacity to work in any employment similar to that the worker was performing at the time of the accident is referred to a- / कमचािी मुआर्जा अधिकनयम के अिीन रिकस्ल् त हर्कलांगता का ई प्रकाि जो हकसी ि ोजगाि म ें काम किने के की क्षमता को कम कि देता है, जैसे की दुघटना के समय कमचयािी कि ि हा था, को संदर्ित हकया जाता है-**
(1) Permanent partial disablement / स्थायी आंसशक ववकलागांता
(2) Permanent total disablement / स्थायी सकल ववकलागांता
(3) Temporary disablement / अस्थायी ववकलागांता
(4) Temporary total disablement / अस्थायी सकल ववकलागांता
Ans. [1]

88. **“Contravention of Contract Labour Act would not create employment relationship between contract labour and principal establishment." It was so held in which case /” संकर्वा श्रम अधिकनयम का उल्लंघन संकर्वा श्रधमक तथा प्रिान प्रकतष्ठान के बीच कनयोजन संबंति नहीं कनर्मति कि पाएगा।“ ऐसा इस प्रकिण मेंअभभभारित म ें अभभभारित ककया गया**
(1) SAIL vs. National Union Water front Workers / सेल बनाम नेशनल यूननयन वाटर फ्रंट वकगसग
(2) Air India Statutory Corporations vs United Labour Union & Ors. / एयर इंधडया स्टेटयूरी कारपोरेशन्स यूनाइटेड लेबर यूननयन एवंअन्य
(3) Bangalore Water Supply and Sewerage Board vs. A. Rajappa / बंगलोर वाटर सतलाई एवंससवरेजे बोड ग बनाम राजतपा
(4) State of U. P. vs. Jai Bir Singh, / उत्तरप्रदेश राज्य बनाम जय वीर ससहं
Ans. [1]

98. **Which provision under the Industrial Disputes Act, 1947 guarantees the right of workmen laid off to claim for compensation / औद्योकगक कर्वार्ि अधिकनयम, 1947 के इस प्रार्िान के अिीन श्रधमकों के अधिकि की प्रत्याभूकत कामबंिी कै ललए क्षकतपूर्तिके ि ाकेवकी है।**
(1) Section / धारा 25-0
(2) Section / धारा 26
(3) Section / धारा 25-C
(4) Section / धारा 25-M
Ans. [3]

100. **The contribution payable under the ESI Act in respect of an employee shall comprise of / कमचािी िाज्य बीमा अधिकनयम के अिीन भुगतान योग्य अंशिान कमचािी के संबंि म ें संयोजजत होगा**
(1) contribution payable by the employer only / केवल ननयोक्ता की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
(2) contribution payable by the employee only / केवल कमचगारी की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
(3) contribution payable by government only / केवल सरकार की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
(4) andcontribution payable by employer employee. / ननयोक्ता और कमचगारी की ओर से भुगतान योग्य अंशदान।
Ans. [4]

Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law

34, **Consumer Protection Act was brought into operation in the year / उपभोिा संिक्षण अधिकनयम इस र्षाम ें संचालन म ें लाया गया**
(1) 1987
(3) 1985
(2) 1986
(4) 1984
Ans. [2]

80. **Contributory negligence means / अभभिायी लापिर्वाही आशय है**
(1) The failure by a person to use reasonable care for the safety of either of himself or his property / व्यसक्त का या तो स्वयं ा या अपनी संपनत की सुरक्षा के सलए वाजजब सतकग रहनेकी नाकामी
(2) Volunteer to pay-for the negligence of others / अन्यों की लापरवाही के सलए स्वैस्च्छक भुगतान
(3) Contributing the money or money's worth for others wrongs / अन्यों की गलती के सलए धन का या धनीय मूल्य का अंशदान
(4) Inciting others to commit civil wrong. / अन्यों को ससनवल गलती के सलए भड़काना।
Ans. [1]

84. **Where an enterprise is engaged in a hazardous or inherently dangerous activity and harm results to anyone on account of an accident in the operation of such hazardous or inherently dangerous activity resulting, for example, in escape of toxic gas the enterprise is strictly and absolutely liable to compensate all those who are affected by the**

accident and such liability is not subject to any of the exceptions which operate vis-a-vis the tortuous principle of strict liability.-Held in the case of / जहां ं उद्यम जोखिम पूण ाया अंतर्निकहत िितनाक गकतकर्वधि म ें कनयोजजत है ै तथा उस जोखिम पूणाया अंतर्निकहत िितनाक गकतकर्वधि के किाण ककसी को आघात का नतीजा होता है, ै जिहिण के ललए जहिीली गैस से बचार्व म, ें उद्यम सख्तीपूर्वका तथा पूणताया उन सभी की क्षकतपूर्तिके ललए जजम्मेर्वाि हैजो दुघटाना से प्रभाकर्वत हुए हैंऔि ऐसी जजम्मेर्वािी ककसी ऐसेअपर्वाि के कर्वषय से नहीं है ैजो सख्त जजम्मेर्वािी के सर्सांत के मुकाबले म संचालकत है ै। ककस मामल म ें अभभधारित

(1) Francis Coralie vs. State / फ्रांसस कोरली बनाम राज्य
(2) Shriram food and fertilizers case / श्रीराम फूड एवं ें फर्टिलाइजर प्रकरण
(3) PUCL vs. Union of India / पी. यू.ूसी.एल. बनाम भारत संघ
(4) State of Punjab vs. Mahinder Singh Chawla / पंजाब राज्य बनाम मनहन्द्र ससहिं चावला

Ans. [2]

86. **"A tort is a civil wrong for which the remedy is an action for unliquidated damages and which is not exclusively the breach of a contract, or the breach of a trust, or the breach of other merely equitable obligation"- Whose Statement is this / अपकृत्य लसकर्वल गलत हैजजसके ललए कनिन अपरिकनिारित नुकसान के ललए किार्वाई हैऔि जो संकर्वदा के भंग या कर्वश्वास के भंग या मात्र समकक्ष िाधयत्व के अन्य के भंग से बाहि का नहीं है। यह ककसका कथन है?**

(1) Winfield / नवनफील्ड
(2) Salmond / सेलमण्ड
(3) Pollock/ पोलोक
(4) Griffith / निनफथ

Ans. [2]

87. **Under Section 20 of the M.V. Act if a person is convicted of an offence punishable under Section 189 of the Motor Vehicles Act, the Court shall ordinarily order for / मोटि र्वाहन अधिकनयम की िािा 20 के अिीन व्यलि को यदि मोटि र्वाहन अधिकनयम की िािा 189 के अिीन डिनीय अपिाि के ललए िोष लसर्द् ककया गया है. न्यायालय सामान्यतया इसके ललए आिेश किेगा -**

(1) Imposing penalty only / केवल जुमानगा लगाने े
(2) Punishment only / केवल दंड
(3) Both punishment and penalty / दंड और जुमानगा दोनों
(4) Disqualification under the act / अधधननयम के अधीन अयोग्य

Ans. [4]

Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act,

15. **Under Section 41 of the Specific Relief Act, an injunction cannot be granted / कर्वलशष् िाहत अधिकनयम की िािा 41 के अिीन ककसको व्यादेश नहीं दिया जा सकता**

(1) to restrain a person from instituting or prosecuting any proceeding in a Court not subordinate to that from which the injunction is sought / नकसी व्यसक्त को उस न्यायालय जजससेनिषेधाज्ञा चाही गई है ैउससे अधीनस्थ नहीं वाले ेन्यायालय म ेंनकसी कायवगाही को प्रस्तुत या अभभयोजजत करने से रोकने के सलए
(2) to restrain any person from applying to any legislative, body / नकसी नवधायी ननकाय को आवेदन करने से नकसी व्यसक्त को रोकने के सलए
(3) to restrain any person from instituting or prosecuting any proceeding in a criminal matter / दांधडक मामलेम ेंनकसी कायवगाही को पेश या अभभयोजजत करने े से रोकने के सलए
(4) all of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

22. **Specific relief can be granted only for the purpose of enforcing individual civil rights and not for the mere purpose of enforcing a penal law. Which provision brings in such prohibition? / कर्वलशष् िाहत की प्रिानता न केर्वल रै्वयलिक नागरिक अधिकािों को प्रर्वतना किने के प्रयोजन के ललए हो सकती है ैकेर्वल िंड कानून के प्रर्वतना के ललए नहीं। कौनसा प्रार्विान इस प्रकतबंि म ेंलाया जाता है।**

(1) Section 4 / धारा 4
(2) Section 5 / धारा 5
(3) Section 7 / धारा 7
(4) Section 10/ धारा 10

Ans. [1]

43. **A debtor owes several distinct debts to the same creditor and he makes a payment which is insufficient to satisfy all the debts. In such a case, a question arises as to which particular debt the payment is to be appropriated. Which sections of the Contract Act provide an answer to this question? / कजिाि नेएक ही कजिाता से अनेक अलग-अलग कज ाललए औि भुगतान ककया जो सभी कजों की भिपाई को अपयाप्त है। ऐसी स्स्थकत म, ें प्रश्न उठता हैकक कौन सा कज ाजजसका भुगतान समुधचत है। संकर्वदा अधिकनयम की कौनसी िािाएं ंउस प्रश्न के उिि को प्रिान किती है?**

(1) Sections 59 to 61 / धारा 59 से 61
(2) Sections 22 of 31 / धारा 22 से 31
(3) Sections 10 to 12 / धारा 10 से 12
(4) Sections 55 to 60 / धारा 55 से 60

Ans. [1]

17. **A contract made by a trustee in excess of his powers or in breach of trust cannot be specifically enforced as per / न्यासी की शक्तियों से अपनी शलियों से**

अकतिकम ेयान्यासकेभंगमेंककयागया संहदा कर्वशेषतया प्रर्वतना नहीं होसकता,अनुसिा"
(1) Section12/धारा12
(2) Section11(2)/धारा11 (2)
(3) Section12(2)/धारा12(2)
(4) Section13./धारा13
Ans. [2]

53. The essence of a contract of agency is the agent's / अभभकिण की संकर्वा का सिा अभभकताा का
(1) Representative capacity coupled with a power to affect the legal relations of the principal with third persons / प्रनतननधधत्व क्षमता तीसरे पक्ष से प्रधान के नवधधक संबंधों को प्रभानवत करने की शसक्त सनहत
(2) Power and title to the property that is being dealt with'. / संपनत जजससेव्यवहृत उसकी शसक्त तथा स्वत्व
(3) Authority and status of dealing with the trade / व्यापार से व्यवहार करनेकी प्राधधकाररता और दजाग
(4) None of the above. / उपरोक्त म ेंसे कोई नहीं
Ans. [1]

54. "A Contract is an agreement between two or more persons which is intended to be enforceable at law and is contracted, by the acceptance by one party of an offer made to him by the other party to do or abstain from doing some act". - Whose statement is this? / संकर्वा िो या अधिक लोगों के बीच हिका हैजो हिहितन कर्वधि पि प्रर्वतनीय है, तथा एक पक्ष की ओि से स्वीकृकत प्रस्तार्व की जो उसकी ओि से अन्य पक्ष को ककया गया किने े को या कोई कृत्य किने े से बचने का संकर्वा का है- यह कथन ककसका है?
(1) Halsbury / हाल्सबरी
(3) Phipson / नफपसन
(2) Salmond / सलमंड
(4) Pollock / पोलोक
Ans. [1]

55. A Delivery of goods by one person to another for some purpose upon a contract that they shall, when the purpose is accomplished, be returned or disposed of according to the directions of the person delivering them. What is the type of contract called us / एक व्यक्ति की ओि से अन्य व्यक्ति को ककसी प्रयोजन के ललए माल की प्रिानता इस संकर्वा पि कक जब प्रयोजन पूिा हो जाए, उन्ह ेंप्रिानकताा व्यक्ति के किनेशानुसाि िेवे लौटा िेंगे ेया कनस्तारित कि िेंगे। हम ऐसी संकर्वा को ककस प्रकाि की कहते है?
(1) Indemnity / क्षनतपूर्ति
(3) Bailment / उपवनधान
(2) Guarantee / प्रत्याभूनत
(4) Pledge / वगरवी
Ans. [3]

56. A's nephew has absconded from his home. He sent his servant to trace his missing nephew. When the servant had left, A then announced that anybody who discovered the missing boy without knowing the reward. When the servant came to know about the reward, he brought an action against A to recover the same. But his action failed. It was held that the servant was not entitled to the reward because he did not know about the offer when he discovered the missing boy. Name the case on reading the facts. / क का भतीजा उसके घि से भाग गया। उसनेअपने लापता भतीजे ेका पता लगानेके ललए अपने नौकि को भेजा। नौकि जब चला गया, क ने घोषणा की कक पारितोष की जानकािी के कबना कोई भी उसके लापता भतीजे ेका पता लगाए । नौकि को जब पारितोष की जानकािी हुई, उसने उसकी र्वसूली के ललए क के खिलाफ कािवाई की। मगि उसकी कािवाई नाकाम िही। यह अभभधारित ककया गया कक नौकि पारितोष का हकिाि नहीं था क्योंकक उसने जब लापता लड़के को िोजा, उसेप्रस्तार्व के बािे मेंपता नहीं था । तथ्यों पि पठन किके प्रकिण का नाम "-
(1) Lalman Shukla vs. Gauri Dutt / लालमन शुक्ला बनाम गौरी दत्त
(2) Donogue vs. Stevenson / डोनोग्यू बनाम स्टीवन्स
(3) Tweedle vs. Atkinson / ट्नवडले बनाम एटनक-सन
(4) Dutton vs. Poole / डटन बनाम पूले
Ans. [1]

57. What property cannot be transferred under Section 6 of Transfer of Property Act, 1882 / ककस संपकत का अंतिण संपलि अंतिण अधिकनयम, 1882 की धािा 6 के अंतगता नहीं ककया जा सकता"-
(1) An easement apart from the dominant heritage / अधधष्ठायी संपसत्त को छोड़कर सुखाधधकार
(2) An interest in property restricted in enjoyment to the owner personally / संपसत्त म ेंनहत उसके उपभोग म ेंनननषद्ध मासलक के सलए वैयसक्तक
(3) A right to future maintenance, in whatsoever manner arising, secured, or determined. / भनवष्य मेंरख रखाव के सलए अधधकार जजस नकसी तरीके म ेंउत्पन्न, सुरभक्षत या ननधाररत
(4) All of the above. / उपरोक्त समस्त
Ans. [4]

60. A transfers property, of which he is the owner, to B in trust for A and his intended wife successively for their lives, and, after the death of the survivor, for the eldest son of the intended marriage for life, and after his death for A's second son. Can the interest so created for the benefit of the eldest son take effect? / क नेसंपलि का जजसका र्वह स्वामी है को अंतिण न्यास म ेंककया जजसके ललए क तथा उसकी

आशधयत पत्नी िििजि अपने जीर्वन के ललए. िऔ ििजिर्वी की मृत्युके पित, ज्येष्ठ पुर के ललए आशधयत कर्वाह जीर्वन के ललए िऔ उसके कनिन के बिा क के दूसिे पुर के ललए कया ज्येष्ठ पुर के लाभ के ललए बना कहत प्रभार्व पाता है -

(1) Yes / हां
(2) No / नहीं
(3) It is a valid transfer / यह नवधध मान्य अंतरण है ै
(4) None of the above / उपरोक्त मेंसे कोई नहीं

Ans. [2]

63. A solicitor sold certain property to one of his clients. The client subsequently property alleged that the was considerably overvalued and his consent was caused by.......... Court considered the relationship between the parties to reach the decision. / न्यायाभभकता नेसंपलि कर्वशेष को अपने एक मुर्वल्ककल को बेची थी । पित्र्वती मुर्वल्ककल नेिओप लगाया कक संपलि पयापत मारा म ेअधि मूल्यत थी िऔ उसकी सन्मकत ...... से ली गई थी, न्यायालय नेपक्षों के बीच संबंिता का कर्वचािण ककया िऔ कनणया पि पहुंचा.

(1) Coercion / प्रपीन
(2) Misrepresentation / दुर्व्पणदेशन
(3) Undue influence / असम्यक असर
(4) Estoppel / नवबंध

Ans. [3]

64. Accepting any other satisfaction than the performance originally agreed is known as / ककसी अन्य समिान की स्वीकृकत कनष्पिान से अकतरिि मूल सहमकत जाना जाता है

(1) reciprocal agreement / र्व्तकारी करार
(2) reciprocal acceptance / र्व्तकारी स्वीकायतगा
(3) reciprocal accord and satisfaction / र्व्तकारी समझौता और समाधान
(4) accord and satisfaction / समझौता और समाधान

Ans. [4]

65. "Where two parties have made a contract which one of them has broken the damage which the other party ought to receive in respect of such breach of contract should be either such as may fairly and reasonably be considered arising naturally i.e. according to the usual course of things from such breach of contract itself or such as may reason- ably be supposed to have been in the contemplation of the parties at the time they made the contract as the probable result of breach of it." In which case the principle was down so: / 'जहां ंिो पक्षों नेसंकर्वि की है ेजजनम ेसे एक ने र्वह भंग-नुकसान ककया हैजजसे े दूसिे पक्ष को पाना चाकहए उस संकर्वि के भंग के बिेम ेया कनष्पक्षता से िऔ र्वाजजब रुप से कर्वचािा किना चाकहए जो स्वाभाकर्वक रुप से उत्पन्न है ेयथा बातों के आम तिौ के अनुक्रमसेसंकर्विकेउसभंगस्वमेर्वसेयाऐसाजोसंभर्वतया उधचतता: से पक्षों में उस समय कर्वचारित हो जजस समय उन्होंने संकर्विकीउसतिहजैसेउसकेभंगं कानतीजासंभाकर्वतहोककस मामलेमेंऐसालसद्ांतकनिारितककया गयाथा?

(1) Cleggvs.Hands/क्लेगबनामहर्ड्स
(2) Frostvs.Knight/फ्रॉस्टबनामनाइट
(3) KapurChandvs.HimayatAliKhan/कपूरचंदबनाम नहमायत अली खान
(4) Hadleyvs.Baxendale / हेडलीबनामबेक्सडेंल

Ans.[4]

66. When a misrepresentation hasbeenmade,what are the alternative courses opentoanaggrieved/ जब दुव्य यदेशन की गई है, तब व्यलथतकेपासकौनसाकर्वकलप िलि होता है?

(1) He can avoid or rescindthecontract/वहसंनवदा को टाल सकता या नवखंडन करसकताहै
(2) He can affirm the contractandinsistonthe misrepresentation beingmade/वहसवांवदाकी अभर्पुवि तथा की गई दुर्व्पणदेशनपरजोरदेसकताहै
(3) He can rely upon themisrepresentation,asa defence to an actionuponthecontract/वह दुर्व्पणदेशन पर भरोसा कर सकताहै,संनवदापरकारवगाईकेसलए बचाव के रूप म ें
(4) All of the above / उपरोक्तसमस्त

Ans.[4]

67. "The law of contract is intended to ensurethat what a man has been led to expect shall cometo pass, that what has been promised shallbe performed: Whose statement is this? / 'संकर्विके कानून का मंतव्य यह सुकनभित किना हैकक व्यलि जो अपेक्षाकिता हैर्वह पूिी हो जाए िऔ जो र्वािा ककया है ैर्वह कनभाया जाएगा।'यह कथन ककसका है?

(1) Lord Black / लॉड गब्लेक
(2) Henderson / हर्डेसन
(3) Anson / एनसन
(4) Salmond / सेलमण्ड

Ans. [3]

68. Raghav owes Murli Rs. 10,000/-. This debt is time barred by the Limitation Act. Even then Murli, promises in writing to pay Raghav Rs. 4,500/- on account of debt and signs the document. This contract is / िाघर्व से मुिली नेरुपए 10,000 / - ललए। यह कज ा परिसीमा अधिकनयम से काल बाधित है। जबकक मुिली नेललखित म े र्वािा िाघर्व को रुपए 4,500/- का भुगतान कज ाके ितेपि किने का र्वचन ककया िऔ िस्ताक्षि िस्तावेज पि हस्ताक्षित ककए। यह संकर्वि है"

(1) Enforceable / प्रवतनगीय
(2) Unenforceable / अप्रवतनीय
(3) Void / शून्य
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंसे कोई नहीं

Ans. [1]

69. Intention not to create a legal obligation was clear from the conduct of parties which among the popular cases deals on the topic. / कर्वधिक िाधयत्व नहीं बनानेका ह्रिाि पक्षों के आचिण से स्पष् था कनम्न म ेंसे कौन सा प्रलसर्द् प्रकिण इस कर्वषय से संबंधित है.

(1) Balfour vs. Balfour / बेलफोर बनाम बेलफोर
(2) Donogue vs. Stevenson / डोनोग्यू बनाम स्टीवन्सन
(3) Derry vs. Peek / डेरी बनाम पीक
(4) Birch vs. Birch / नबरस बनाम नबरस

Ans. [1]/

70. According to the Indian law in a lawful contract, consideration / भितीय कर्वधि के अनुसि कर्वधि सम्मत संकर्वि म, ें प्रहतफल "

(1) Must move from promises only / केवल वचनदाता से गनतमान होना चानहए
(2) May move from promise or any other person / गनतमान वचनदाता या नकसी अन्य व्यसक्त से हो सकेगा
(3) Is not necessary at all / ऐसा नकसी भी स्तर पर आवश्यक नहीं
(4) None of the above / उपरोक्त मेंसे कोई नहीं

Ans. [2]

71. An agency can be terminated by / अभिकता यका समापन ककया जा सकता है?

(1) Agreement between parties / पक्षों के मध्य करार से
(2) By renunciation by the agent / अभभकता गकी ओर से त्याग से
(3) By completion of business of agency / अभर्कताण के व्यवसाय की पूणतगा से
(4) All the above. / उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

72. Which type of loss are not covered by a contract of indemnity / हकस तिह के नुकसान की िि ाई क्षहत ूर्त िकी संहर्दा से नहीं होती।

(1) Loss arising from accidents like fire or perils of the sea. / दुघटगनाओं से उत्पन्न नुकसान जैसेनक आग या समुद्री संकट
(2) Loss caused by the promisor himself or by a third person / वादाकत्तागस्वयं ंया तीसरे व्यसक्त की ओर से नकया गया नुकसान
(3) Loss arising by human agency / मानवीय अभर्कता णसे उत्पन्न नुकसान
(4) None of the above / उपरोक्त मेंसे कोई नहीं

Ans. [1]

73. The Supreme Court has held that an advocate cannot claim a lien over a litigation file entrusted to him for his fees........... no professional can be given the right to withholdthereturnablerecords relating to the workdonebyhimwithhisclients matter on the strengthofanyclaimforunpaid remuneration. The alternativeistheprofessional concerned can resorttootherlegalremediesfor such unpaid remuneration.Refertothespecific case./ सर्वोच्च न्यायालयनेअभभारितककयाककअधिर्वा उसको उसका शुल्क सौंपनेकेललएमुकिमेकीधमसलकेऊपि ग्रिणाधिकिा का िार्वा नहींकिसकताककसीपेशेर्विकोमेहनताना के अभुगतान के ललए ककसीाि्वेकीमजबूतीपिउसकीऔसे उसके मुर्वल्ककल के मामलेकेललएकायासेसंबंधितर्वापसककए जानेर्वाले अभभलेिों कोिोकनेकाअधिकािनहींदियाजा सकता। कर्वकल्प यह है ैककसंबंधितपेशेर्विउसअभुगतानमेहनताना के ललए अन्य कर्वधिक कनिानकाआसिलेसकताहै।यहसंभि ा कर्वलशष् मामलेका है ै

(1) RD Saxena vo. BalramPrasadSharma/आर.डी. सक्सेना बनाम बलराम प्रसादशमाग
(2) VC Rangadhurai vsDGopalan/वी.सी.रणदुरैबनाम डी. गोपालन
(3) Emperor vs. DaduRam/एम्पररबनामदारूाम
(4) G Naranswamy vsChallapalli/जी.नरनस्वामीबनाम चल्लपस्ल्ल

Ans.[1]

Limitation Act, 1963

4. Section 5 oftheLimitationAct,1963enablesthe Court to condonedelayinfilling........onsufficient satisfactionofsufficientcause./परिसीमाअधिकनयम, 1963 की िािा 5न्यायालयकोखिलकिने ें पिहुएकर्वलंबको माफ़ किने में सक्षमबनातीहै...... याप्यतकिणकी याप्यतसंतुहष्ट ि।

(1) appealorapplication/अपीलयाआवेदनपि
(2) appeal,suitandapplication/अपीलवादएवंआवेदन पि
(3) appeal,petitionandcounterpetition/अपील, याधचका एवं प्रनत याधचका
(4) appeal, petition, suit and counter petition. / अपील, याडचका, वाद एवां प्रवत याडचका

Ans.[1]

7. Limitationperiodprescribedinfillingasuitbya mortgagortorecoverpossessionofimmovable property mortgaged/बंकिअचलसंपलिकीर्वापसीके ललए बंकिकिाकीऔसेर्वािायिकिने ेमेंकर्वकहतसीमाअर्वधि है।'

20 years/वषग (1)
10 years/वषग (3)
12 years/वषग (2)
30 years/वषग (4)

Ans.[4]

Jurisprudence

27. According to the theory of 'social utilitarianism' as propounded by Ihering- /ईहेरिंग द्विाा प्रकतपादित 'सामाजजक उपयोकगतावािी' के लसद्धांत अनुसाि -

(1) greatest number of people should get greatest pleasure / ज्यादा से ज्यादा लोगों को अधधकतम खुशी धमलनी चानहए।

(2) the essential body of legal rules is always based upon the social "facts" of law / नवधधक ननयमों का अत्यावश्यक ननकाय हमेशा नवधध के सामाजजक तथ्यों पर ननभरग है ें

(3) a balance is to be struck between the competing interests in society / समाज म ेंप्रनतस्पधी नहतों के बीच संतुलन बनाया जाए

(4) law is a means to social ends / कानून सामाजजक उद्देश्यों का साधन है।

Ans. [4]

33. The Second principle of Rule of Law (of A.V. Dicey) relates to / कर्विधि के कनयम (ए.वीं. धडकेय का) का दूसिा लसर्द्ांत संबंधित है

(1) Equal protection of the laws / कानूनों का समान संरक्षण

(2) Equality before law / कानून के समक्ष समानता

(3) Dignity of the individual / व्यसक्त की मयादगा

(4) Administrative Courts / प्रशासननक न्यायालय

Ans. [2]

99. H.L.A. Hart's name is associated with the book. / एच. एल. ए. हाटा का नाम इस पुस्तक से संबंर्द् है"_

(1) Province and Function of Law / प्रोनवन्स एंड फंक्शन ऑफ लॉ

(2) The Concept of Law / द कन्सेतट ऑफ लॉ

(3) Social Dimensions of Law / सोसशयल डाइमेन्स ऑफ लॉ

(4) Theories of Social Change / थ्योररज ऑफ सोसशयल लॉ

Ans. [2]